Sl. No. :

BHN-35-V

Total No. of Pages : 2

Third Year B.A. Degree Examination, May/June - 2025

(SLM - Scheme)

HINDI (हिन्दी) (Optional) (Paper - V)

TEXTS : मध्यकालीन हिन्दी काव्य (सुन्दरकाण्ड), रस, छंद तथा अलंकार

Time : 3 Hours **Max. Marks : 80**

Note : ***All sections are compulsory.***

SECTION - A

I. किन्हीं चार की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **[4 × 5 = 20]**

1) कहेउ राम बियोग तव सीता । मो कहुँ सकल भए बिपरीता ।।
नव तरू किसलय मनहूँ कृसानू । कालनिसा सम निसि ससि भानू ।।
कुबलय बिपिन कुंत बन सरिसा । बारिद तपत तेल जनु बरिसा ।।
जे हित रहे करत तेइ पीरा । उरग स्वास सम त्रिविध समीरा ।।

2) जौं रघुवीर होति सुधि पाई । करते नहीं बिलंबु रघुराई ।।
राम बान रबि उएँ जानकी । तम बरूथ कहँ जातुधान की ।।
अबहिं मातु मैं जाउँ लवाई । प्रभु आयसु नहीं राम दोहाई ।।
कछुक दिवस जननी धरू धीरा । कपिन्ह सहित अइहहिं रघुबीरा ।।

3) राम चरन पंकज उर धरहु । लंका अचल राजु तुम्ह करहू ।।
रिषि पुलस्ति जसु बिमल मयंका । तेहि ससि महुँ जनि होहु कलंका ।।
राम नाम बिनु गिरा न सोहा । देखु बिचारि त्यागि मद मोहा ।।
बसन हीनन नहिं सोह सुरारी । सब भूषन भूषित बर नारी ।।

4) सुनि सीता दुख प्रभु सुख अयना । भरि आये जल राजिव नयना ।।
बचन काय मन मम गति जाही । सपनेहूँ बूझिअ बिपति कि ताही ।।
कह हनुमंत बिपति प्रभु सोई । जब तब सुमिरन भजन न होई ।।
केतिक बात प्रभु जातुधान की । रिपुहि जाति आनिबी जानकी ।।

5) माल्यवंत ति सचिव सयाना । तासु बचन सुनि अति सुख माना ।
तात अनुज तव नीति बिभूषन । सो उर धरहु जो कहत विभीषन ।।
रिपु तकरष कहत सठ दोऊ । दूरि न करहु इहाँ हइ कोऊ ।।
माल्यवंत गृह गएउ बहोरी । कहइ विभीषनु पुनि कर जोरी ।।

6) सादर तेहि आगें करि बानर । चले जहाँ रघुपति करूनाकर ।।
दूरिहिं तें देखें द्वौ भ्राता । नयनानंद दान के दाता ।।
बहुरि राम छबिधाम बिलोकी । रहु ठठुकि एकटक पल रोकी ।।
भुज प्रलंब कंजारून लोचन । स्यामल गात प्रनत भय मोचन ।।

SECTION - B

II. किन्हीं <u>तीन</u> प्रश्नों के उत्तर लिखिए : [3 × 10 = 30]

7) करूण रस की परिभाषा देते हुए सोदाहरण समझाइए ।

8) भयानक रस किसे कहते हैं? उदाहरण सहित विवरण दीजिए ।

9) छन्द शास्त्र या पिंगल शास्त्र का सामान्य परिचय दीजिए ।

10) मात्रिक छंद किसे कहते हैं? उसके कितने भेद हैं? उदाहरण द्वारा समझाइए ।

11) उत्प्रेक्षा अलंकार के भेदों को सोदाहरण लिखिए ।

SECTION - C

III. किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लिखिए : [2 × 15 = 30]

12) 'सुंदरकांड' के आधार पर तुलसीदास के काव्य सौंदर्य की समीक्षा कीजिए ।

13) 'सुंदरकांड' के आधार पर रावण–हनुमान संवाद का वर्णन कीजिए ।

14) उपमा अलंकार के कितने भेद हैं? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

15) 'रसराज' श्रृंगार रस के संयोग श्रृंगार और वियोग श्रृंगार पर समीक्षात्मक चर्चा कीजिए ।